

36वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रादुविवि में तैयारियां हुई तेज

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 21 जून को आयोजित होने वाले 36वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोर शोर से की जा रही हैं। आयोजन को एक सप्ताह शेष बचा है। राष्ट्रपति अपने नगर प्रवास के दौरान रादुविवि के दीक्षांत समारोह के अलावा सामूहिक योग दिवस पर गैरीसन ग्राउंड में आयोजित सामूहिक योग अभ्यास में भी शामिल होंगी। सुरक्षा और प्रोटोकाल की दृष्टि से जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में हैं। जमीन से आसमान तक सुरक्षा की फ्रीलैंडिंग की जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों समारोह में मुख्य अतिथि रहेंगी।

आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन, जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां लगातार समन्वय बनाकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। इसी सिलसिले में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को समारोह में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया है।

गौरतलब है की लगभग दो दशक बाद विश्वविद्यालय परिसर में किसी राष्ट्रपति का आगमन होने जा रहा है। इसे देखते हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल से लेकर कार्यक्रम संचालन तक हर पहलू पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुलसचिव प्रो. रविशंकर सोनवाल के अनुसार निर्धारित समय में सभी तैयारियां पूरी करने के लिए विश्वविद्यालय में अवकाश के दिनों में भी काम जारी रहेगा।



बैठक व्यवस्था बड़ी चुनौती

दीक्षांत समारोह के लिए निर्धारित मुख्य सभागार में लगभग 486 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। वहीं इस वर्ष 250 से अधिक विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रमुख उपाधियां प्रदान की जानी हैं। इनके अलावा जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सभागार में प्रवेश और बैठने की अंतिम योजना तैयार की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रबंधन के साथ जिला एवं पुलिस प्रशासन लगातार बैठकें कर रहे हैं। सभागार के भीतर प्रवेश पाने वाले लोगों की अंतिम सूची राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली तथा लोक भवन, भोपाल से प्राप्त दिशा-निर्देशों के आधार पर तय की जाएगी।

ध्रुव को डूबता देख बचाने सागर कुदा दोनों की मौत

जबलपुर। रविवार का दिन मौज-मस्ती और सुकून के लिए शुरू हुआ था, लेकिन कुछ ही पलों में वह दो परिवारों के लिए जिंदगी का सबसे बड़ा दुख बन गया। गौर चौकी क्षेत्र के सिलुआ घाट में नर्मदा नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। बताया गया है कि युवक नदी में नहा रहे थे, तभी अचानक नदी का जल स्तर और पानी का बहाव तेज हुआ, इसमें ध्रुव पटेल नाम का युवक डूबने लगा, उसे बचाने के लिए उसका दोस्त सागर नदी में कूदा था, लेकिन तेज बहाव और गहराई ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चौखड़ा निवासी पांच दोस्त छुट्टी का आनंद लेने सिलुआ घाट पहुंचे थे। नर्मदा में नहाने और

सिलुआ घाट पर पिकनिक मनाने पहुंचे थे दोस्त, तीन घंटे बाद मिले शव

जलक्रोड़ा के दौरान 19 वर्षीय ध्रुव पटेल अचानक गहरे पानी और तेज बहाव में फंस गया। खुद को बचाने के लिए उसने मदद की गुहार लगाई। दोस्त को संकट में देखकर 18 वर्षीय सागर पटेल बिना देर किए उसे बचाने नदी में कूद पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों ने काफी देर तक संघर्ष किया, लेकिन नदी की तेज धार और गहराई के सामने उनकी कोशिशें नाकाम रहीं। देखते ही देखते दोनों युवक पानी में ओझल हो गए। घटना के बाद घाट पर मौजूद अन्य दोस्तों और लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही गौर चौकी प्रभारी नितिन पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय मल्लाहों और ग्रामीणों ने तत्काल तलाश शुरू की, लेकिन

सफलता नहीं मिली। बाद में एसडीआरएफ की टीम ने मोर्चा संभाला। तेज बहाव और नदी के भीतर मौजूद चट्टानों के कारण रेस्क्यू अभियान चुनौतीपूर्ण रहा। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने घटनास्थल से लगभग 50 मीटर दूर पत्थरों के बीच फंसे दोनों शवों को बरामद कर लिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। घटना से चौखड़ा गांव में शोक की लहर है। एक ही हादसे में दो युवाओं की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं सागर की दोस्ती और साहस की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है, जिसने अपने जिसने अपने मित्र की जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की।

पुरानी रंजिश पर नाबालिग मित्र को चाकू घोंपा

जबलपुर। शहर के रांझी थाना क्षेत्रांतर्गत गंगा मैथा इलाके में रहने वाले एक 16 साल के किशोर ने शनिवार देर रात गाली को लेकर हुए विवाद के दौरान अपने दूसरे नाबालिग साथी पर चाकू से हमला कर उसका गला रेत दिया। इसके बाद आरोपी अपने एक साथी के साथ मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों नाबालिगों के बीच एक हफ्ते पहले गाली बकने की बात की लेकर विवाद हुआ था। बताया जाता है कि घायल शनिवार को दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलकर घर लौट रहा था कि इसी बीच रास्ते में उसकी मुलाकात आरोपी लड़के से हो गई। दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था और पिछले एक सप्ताह से बातचीत भी बंद थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों का आमना सामना होते ही उनके बीच पहले कह-सुनी हुई। इसके बाद आरोपी ने चाकू निकालकर घायल के गले पर तथा पीठ पर जोरदार वार कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल लड़का क मौके पर ही गिर पड़ा जबकि आरोपी अपने एक अन्य मित्र के साथ वहां से भाग निकटा।

रांझी बमबाजी कांड का खुलासा: 3 आरोपी और 5 विधि-विवादित बालक पकड़े गए

जबलपुर। थाना रांझी क्षेत्र में दहशत फैलाने के उद्देश्य से की गई दो अलग-अलग बमबाजी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए 3 आरोपियों और 5 विधि-विवादित बालकों को पकड़ लिया है। पुलिस ने घटनाओं में प्रयुक्त 2 एक्सिस वाहन और 4 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार पहली घटना 11 जून को मड़ई स्थित देशी शराब दुकान के सामने हुई थी। शराब दुकान में कार्यरत सृजल जायसवाल की शिकायत पर दर्ज मामले में बताया गया था कि दो युवक स्कूटी से आए और दुकान के काउंटर की ओर दो सुअस्त्रा बम फेंककर फरार हो गए। धमाके से क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। इस संबंध में थाना रांझी में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। दूसरी घटना 11 जून की रात अंजनी कॉलोनी रिछाई में हुई थी। शिकायतकर्ता संतोष कुमार भारती ने पुलिस को बताया था कि रात में उनके घर के सामने लगातार तीन धमाके हुए। बाहर निकलने पर बम के अवशेष और एक बिना फटा बम मिला। सीसीटीवी फुटेज में चार युवक स्कूटी से आकर बम फेंकते दिखाई दिए थे। इस मामले में भी विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू पर गठित विशेष टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान

की। जांच के दौरान दो विधि-विवादित बालकों को अभिरक्षा में लेकर पृछताछ की गई, जिन्होंने शराब दुकान पर दहशत फैलाने के उद्देश्य से बम फेंकने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक्सिस वाहन क्रमांक एमपी-20-एसटी-8138 जब्त किया गया। वहीं अंजनी कॉलोनी बमबाजी मामले में पुलिस ने समर सोनकर (18), शान सोनकर (18) और हर्ष सिंह राजपूत (19) सहित एक विधि-विवादित बालक को हिरासत में लेकर पृछताछ की। पृछताछ में आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया तथा दो अन्य विधि-विवादित बालकों द्वारा बम उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों बालकों को भी अभिरक्षा में लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की एक्सिस वाहन जब्त की है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि विधि-विवादित बालकों को किशोरा न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों घटनाओं में शामिल अधिकांश युवक कम उम्र के हैं। सभी युवकों और विधि-विवादित बालकों के काउंसिलिंग कर उन्हें अपराध के दुष्परिणामों से अलग कराया गया है। साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखने की समझाइश दी गई है।

भाजपा महिला मोर्चा ने लगाए फलदार पौधे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एक पेड़ माँ के नाम अभियान को मिला जनसमर्थन

हरिभूमि, जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से चल रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत रविवार को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मदन महल स्थित शिवाजी उद्यान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन भाजपा नेत्री हिना गुप्ता की अगुवाई में तथा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे एवं नगर अध्यक्ष आत्मिका सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज, पृथ्वी माता एवं पौधों के



पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर आम, चीकू, लीची, अमरूद, जामुन और पीपल सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। सभी प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया।

अब तक लग चुके 140 करोड़ पौधे

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप मिला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक देशभर में लगभग 140 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं और यह अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण और हरित भविष्य का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

यह रहे उपस्थित-

कार्यक्रम में प्रदेश सहकोषाध्यक्ष अर्चना अगवाल, ज्योति राजपूत, स्मृति जैन, कल्पना तिवारी, हिना गुप्ता, नता रजक, दीपिका चौहान, हरप्रीत कौर, श्वेता गौतिया सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही।

ई-ऑटो यात्रा से दिया हरित जीवन का संदेश

वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद अश्विनी परांजपे ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के साथ इलेक्ट्रिक ऑटो (ई-व्हीकल) से शिवाजी उद्यान से भाजपा संगमौर्य कार्यालय तक यात्रा की। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ई-वाहनों के अधिकतम उपयोग की अपील की।



सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग के प्रदेश बॉक्सिंग टीम घोषित

जबलपुर। उदीयमान बाक्सर ऐश्वर्य सहित जबलपुर के छह खिलाड़ी मध्य प्रदेश की सब जूनियर बॉक्सिंग टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। इससे पहले जालंधर में 23 से 29 जून तक आयोजित (अंडर-15) सब जूनियर बालिका एवं बालक बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए मध्य प्रदेश बॉक्सिंग टीम का चयन किया गया। मध्य प्रदेश बॉक्सिंग संघ के सचिव दिग्विजय सिंह के निर्देशन में नर्मदा क्लब में टीम चुनी गई। इस प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक वीरेंद्र सिंह ठाकुर (विक्रम अवंडी), टैक्निकल ऑफिशियल परमजीत सिंह (विक्रम अवंडी), संजय मिश्रा, अमय माटी, विकास दुबे, आकांक्षा ठाकुर, अरुण विश्वकर्मा एवं अरुण कपूर रहे। संघ अध्यक्ष संजय सेठ ने टीम को शुभकामनाएं दी हैं। प्रदेश सब जूनियर टीम : बालक वर्ग- 30 से 33 किलो अमय

जबलपुर के छह बाक्सर मध्यप्रदेश दल में शामिल

बरकड़े, 33 से 35 कैम्ब रजक क्वालियर, 35 से 37 ऐश्वर्य रानीताल जबलपुर, 37 से 40 रुद्र क्वालियर, 40 से 43 मोहम्मद अली जबलपुर, 43 से 40 ऋषभ थापा टीटी नगर भोपाल, 46 से 49 किलो अमित गुप्ता टीटी नगर, 49 से 52 किलो सौरव वेशंकर रानीताल जबलपुर, 52 से 54 पवन जादौन क्वालियर, 55 से 58 अखर्व शहडोल, 58 से 61 माकस रीवा, 64 से 67 राघव मिश्रा भोपाल, 67 से 70 अर्जुन भोपाल, +70 प्रतीक भोपाल। बालिका वर्ग- 33 से 35 सीम्मा रानीताल जबलपुर, 35 से 37 राजनंदनी उज्जैन, 37 से 40 क्वालियर, 40 से 43 आकृति रानीताल जबलपुर, 43 से 46 ललिता रायसेन, 46 से 49 मिस्टी क्वालियर, 49 से 52 किलो देविका इंदौर, 52 से 55 सत्यंजी भोपाल, 61 से 64 किलो प्रियांशी टीटी नगर भोपाल, 64 से 67 सविधा यादव रानीताल जबलपुर।

दो माह में टिकट जांच से जबलपुर मंडल को 14 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल द्वारा चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले दो माह, 1 अप्रैल से 31 मई 2026 के दौरान वाणिज्य विभाग की टीम ने 1.68 लाख से अधिक बिना टिकट, अनियमित यात्रा करने वाले तथा बिना बुक कराए अतिरिक्त सामान ले जाने वाले यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान रेलवे को करीब 14 करोड़ 7 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरजा के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के नेतृत्व में विभिन्न स्टेशनों और यात्री ट्रेनों में विशेष जांच अभियान संचालित किए गए। जांच के दौरान 80 हजार बिना टिकट यात्रियों से लगभग 7.93 करोड़ रुपये तथा अनुचित या निम्न श्रेणी के टिकट पर उच्च श्रेणी में यात्रा करने वाले 88 हजार यात्रियों से करीब 6.11 करोड़ रुपये वसूल गए। वहीं, बिना बुक कराए अतिरिक्त सामान ले जाने के 1200 से अधिक मामलों में 2.15 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। रेल प्रशासन ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर यात्रा करने, प्लेटफॉर्म टिकट के नियमों का पालन करने और अतिरिक्त सामान का नियमानुसार बुकिंग कराने की अपील की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी टिकट जांच के विशेष अभियान जारी रहेंगे और अनियमित यात्रा के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी।

दोनों नाबालिग नहाने गई थी

जबलपुर। संभाग के कटनी जिलांतर्गत बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम मडिझा में स्थित बलराम तालाब में शनिवार 13 जून को डूबने से दो सगी नाबालिग बहनों की मौत हो गई । दोनों नाबालिग बहनें शाम लगभग 4 बजे नहाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं थीं।इसके बाद परिजनों ने उर् थाने में मामले की सूचना दी। परिजनों की सूचना पर पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद देर रात उनके शव तालाब से बरामद किए गए. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित

कटनी के बाकल स्थित तालाब में डूबने से दो बहनों की मौत

कर दिया। मृतक बहनों की पहचान मडिझा निवासी निधि लोधी (17) और उसकी छोटी बहन नेहा लोधी (14) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मडिझा में स्थित बलराम तालाब में शनिवार शाम लगभग 4 बजे गांव की ही निधी और नेहा समीप ही बलराम तालाब में नहाने गई थीं। वहां से कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब वे घर नहीं लौटीं, तो परिजनों को चिंता हुई। इस पर परिजनों ने पहले अपने स्तर पर आसपास और रिश्तेदारों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद वे बलराम तालाब पहुंचे, जहां दोनों बहनों के

कपड़े किनारे रखे थे परंतु उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसे पर उन्होंने तत्काल बाकल थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बाकल थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तालाब में सर्च अभियान शुरू किया और कुछ घंटों की मशक्कत के बाद दोनों बहनों को तालाब से अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया । पुलिस और परिजन तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मार्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

22 अवैध शराब कारोबारी गिरफ्तार

कॉम्बिंग गश्त : 223 वारंट तामील



दौरान पुलिस टीमों ने दबिश देकर 113 गैर-मिथादी वारंट, 74 गिरफ्तारी वारंट तथा 36 जमानती वारंट तामील किए, कुल 223 वारंट कब्जे से 19 लीटर कच्ची शराब, पुलिस की पकड़ से दूर चल रहे 1427 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा 33 बोलतल अंग्रेजी शराब जन्त

न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अवैध शराब के कारोबार पर भी पुलिस ने कड़ा प्रहार करते हुए 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 19 लीटर कच्ची शराब, पुलिस की पकड़ से दूर चल रहे 1427 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा 33 बोलतल अंग्रेजी शराब जन्त

ललितपुर-सिंगरोली रेल लाइन परियोजना की याचिकाएं निराकृत

जबलपुर। म.प्र. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विशाल मिश्रा की अवकाशकालीन एकलपीठ ने ललितपुर-सिंगरोली रेल लाइन परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण और मकान तोड़ने की कार्रवाई से जुड़े विवाद पर सुनवाई करते हुए मामले में प्रभावित परिवारों को राहत देते हुए भू-अर्जन अधिकारी को 90 दिनों के भीतर मुआवजे और मालिकाना हक के दावों पर नया निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। अपने आदेश में न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की भूमि के स्वामित्व, मुआवजे की पात्रता और अन्य वैधानिक लाभों के संबंध में सभी पक्षों को सुनने के बाद विधि अनुसार नया आदेश पारित किया जाए। सीधी जिले के ग्राम भित्तारी निवासी सौरभ प्रताप सिंह और ग्राम कुशियार निवासी पंकज कुमार तिवारी ने बरही तहसीलदार द्वारा 5 जून 2025 को जारी उन नोटिसों को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिनमें रेल परियोजना के लिए मकान

विस्थापितों के मुआवजे पर 90 दिन में फैसला करो: हाईकोर्ट

हटाने की कार्रवाई की बात कही गई थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि भू-अर्जन अधिकारी ने उनके अभ्यावेदन को खारिज कर दिया, जबकि वे संबंधित भूमि के वैध स्वामी हैं और उन्हें भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत उचित मुआवजा और पुनर्वास लाभ मिलना चाहिए। मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता आदित्य अवस्थी, केंद्र सरकार की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु तथा राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगूली ने अपना पक्ष रखा। अवकाशकालीन पीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि भू-अर्जन अधिकारी याचिकाकर्ताओं के सभी दावों, दस्तावेजों और स्वामित्व संबंधी तथ्यों की जांच करें तथा सभी संबंधित पक्षों को सुनकर 90 दिनों के भीतर उचित निर्णय लें।है निर्देशों के साथ न्यायालय ने याचिकाओं का निराकरण कर दिया।



“आत्महत्या की रोकथाम” संभाग स्तरीय सेंसटाइजेशन कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज, जबलपुर में “आत्महत्या की रोकथाम” संभाग स्तरीय सेंसटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पंजाबराव चंदेलकर, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग, जबलपुर मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. सुधा मेहता, सेवानिवृत्त प्राध्यापक मनोविज्ञान, वक्ता सुयश ठाकुर शासकीय अधिवक्ता, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. राहुल पटेल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पंजाबराव चंदेलकर ने अपने उद्घोषण में कहा कि देश में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करते हैं उन्होंने बताया कि किसान की आर्थिक समस्याएं, विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव, पारिवारिक तनाव, अकेलापन एवं सामाजिक अपेक्षाएं आत्महत्या के प्रमुख कारण बन रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से विद्यार्थियों एवं बच्चों पर



अनावश्यक दबाव न डालने एवं सकारात्मक वातावरण प्रदान करने की अपील की।मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. सुधा मेहता ने कहा कि आत्महत्या केवल एक व्यक्ति का व्यक्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए गहरी पीड़ा का कारण बनती है। इसलिए इसका समय रहते निराकरण और रोकथाम अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में शैक्षणिक दबाव, बेरोजगारी, आर्थिक कठिनाइयां, पारिवारिक तनाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कई लोगों को निराशा की ओर ले जाती हैं। जब व्यक्ति स्वयं को अकेला, असहाय और निराश महसूस करता है, तब उसके मन में आत्महत्या जैसे विचार उत्पन्न हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान संभव है, लेकिन

जीवन का कोई विकल्प नहीं है। आत्महत्या की रोकथाम के लिए उपाय पर चर्चा करते हुये कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, तनाव और अवसाद के लक्षणों को पहचानना, परिवार और मित्रों के साथ संवाद बनाए रखना, सकारात्मक सोच, योग, ध्यान एवं नियमित व्यायाम को अपनाना, आवश्यकता पड़ने पर मनोवैज्ञानिक या काउंसलर की सहायता लेना चाहिए।कार्यक्रम में सुयश ठाकुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह महसूस किया कि छात्र आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। इसलिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है राष्ट्रीय टास्क फोर्स का कार्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव, अवसाद एवं शैक्षणिक दबाव जैसी

समस्याओं का अध्ययन करना है। प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि हमें अपने आसपास किसी भी व्यक्ति को अकेला महसूस नहीं होने देंगे। यदि कोई व्यक्ति तनाव, अवसाद या निराशा से जूझ रहा हो, तो उसे सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।प्रो. अरुण शुक्ल, कार्यक्रम समन्वयक ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए जागरूकता, समय पर सहायता, भावनात्मक सहयोग और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना था।डॉ. रंजना मिश्रा द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मंच संचालन बुरेशा खान एवं रुपाली उपाध्याय ने किया एवं आभार प्रदर्शन साक्षी मरावी, उमा भारती धुरें ने किया।संभाग स्तरीय कार्यक्रम में डॉ. स्मृति शुक्ला, डॉ. पवन तिवारी, डॉ. सुनील वाजपेयी, डॉ. चित्रा प्रभात, डॉ. लक्ष्मीचंद, डॉ. वीणा वाजपेई, डॉ. शुभांगी धगट के साथ जबलपुर संभाग के जिलों के महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।



सुन्नी मुस्लिम काजियात कमेटी नर्मदापुरम की जिला ईकाई गठित

अमजद हुसैन की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय जिला कमेटी नियुक्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी मध्यप्रदेश द्वारा काजियात कमेटी का प्रदेश में विस्तार करते सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारे साहब (सदस्य, मध्यप्रदेश राज्य सर्व शिक्षा अभियान मिशन समिति) की अनुशंसा एवं सुन्नी मुस्लिम काजियात कमेटी के प्रदेश विधिक सलाहकार तकमील नासिर (अधिवक्ता, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय) की सहमति से सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष काजी सैयद अजस अली चिश्ती द्वारा सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी जिला नर्मदापुरम की जिला कमेटी का गठन किया गया।सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी, नर्मदापुरम की 11 सदस्यीय जिला कमेटी में सैयद अमजद हुसैन (सोहागपुर) अध्यक्ष, सलीम खान (नर्मदापुरम) उपाध्यक्ष, जुनेद ताजी (नर्मदापुरम) सचिव, सादिक खान (सोहागपुर) सह सचिव, अय्यूब अहमद खान (सोहागपुर) कोषाध्यक्ष, शाहरुख खान (नर्मदापुरम) सदस्य, शेख समीर (गिर्पारिया) सदस्य, नईम अहमद कुरैशी (सिवनी मालवा) सदस्य, जफर उल्ला खान (इटारसी) सदस्य, जाविद खान (शोभापुर) सदस्य एवं मो. अय्यूब खान (सोहागपुर) सदस्य नियुक्त किया गया है।सुन्नी मुस्लिम काजियात कमेटी नर्मदापुरम की इस नियुक्ति पर काजियात कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारे साहब ने कहा कि कमेटी के कार्यक्षेत्र को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में क्रियान्वित करने के साथ-साथ मुस्लिम समाज के काजियात से संबंधित कार्यों के लिये जिला स्तर पर भी प्रदेश से जुड़े लोगों की समस्याओं के समाधान तेजी से होंगे। सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी नर्मदापुरम की जिला कमेटी मंगोनीत किये जाने पर तनजील ईशान, डॉ. अब्दुल हनीफ, मुश्ताक अहमद खान, मुन्ना खान, अहसान ठाकुर, अब्दुल हुसैन मंसूरी, जाह्द खान बब्बू, निसार पहलवान, इश्क पहलवान, अजीज पहलवान, सलीम खान चाली, यूसुफ अली, इरफान खान, अफाक खान, हासिद खान, बब्बू पैटर, तश्कील फारान आदि ने बधाई प्रेषित की।

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त किए जाने पर एनएसयूआई का फूटा गुस्सा, कहा ‘यह लोकतंत्र की हत्या’

जबलपुर। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर NSUI ने इसे ‘लोकतंत्र की हत्या’ बताया। NSUI नेताओं ने भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच की मांग की। NSUI ने चेतावनी दी कि लोकतंत्र से खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो प्रदेशभर में आंदोलन

होगा। एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने इस प्रशासनिक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे सत्तापक्ष का एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। छात्रनेता शफी खान व अनुराग शुक्ला ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन एक जुझारू, ईमानदार और सक्रिय जननेता हैं। तकनीकी खामियों का बहाना बनाकर उनका नामांकन रद्द करना भाजपा की हताशा और

डर को दर्शाता है। भाजपा सरकार विपक्ष की मजबूत आवाज से डर गई है मीनाक्षी नटराजन की साफ-सुथरी छवि और तय जीत से बौखलाकर प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि महज एक अदालती नोटिस को आपराधिक मामला बताकर नामांकन रद्द करना पूरी तरह असंवैधानिक है और यह सीधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या है।

जर्जर आवासी मकानों पर ध्यान नहीं दे रहे अधिकारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश समय पाल संघर्ष समिति के सलाहकार पीयूष वर्मा, जेएन दुबे, उमेश यादव ने बताया कि जबलपुर स्थित कार्यालय नर्मदा विकास प्राधिकरण विभाग बाई दाई नहर के अंतर्गत बने आवासीय मकानों की हालत अत्यंत जर्जर अवस्था में है और इस हालत में कर्मचारियों को रहना पड़ रहा है, वहीं बरसात का मौसम भी करीब है कभी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, कर्मचारियों द्वारा अधिकारियों को अवगत करने के बाद भी उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में समिति द्वारा विभाग के मंत्री को पत्र प्रेषित कर निराकरण की मांग की गई। पीयूष वर्मा सलाहकार मध्य प्रदेश, समय पाल संघर्ष समिति ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की भी मांग की।



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में केसरवानी दंपति का चयन

जबलपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दन्त चिकित्सकों की भर्ती हेतु प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाता है, उक्त आयोजित परीक्षा का परिणाम साक्षात्कार के बाद घोषित किया गया जिसमें जबलपुर के दंत चिकित्सक डॉ. पुष्पराज केसरवानी की वरीयता सूची में 13वां स्थान और उनकी पत्नी डॉ. वंदना केसरवानी को 30वां स्थान प्राप्त हुआ है और उनका चयन हो गया है। डॉ. पुष्पराज केसरवानी, मथुरा विहार कॉलोनी जबलपुर के जवाहरलाल केसरवानी के पुत्र हैं जबकि डॉ. वंदना केसरवानी, विजयराघवगढ़ निवासी सुदर्शन प्रसाद गुप्ता की पुत्री हैं।

ग्रीष्मकालीन जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जबलपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जबलपुर तथा मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के क्रीड़ा केन्द्र मदनमहल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन रॉक फोर्ड फाउंडेशन स्कूल, महानन्दा, मदन महल, जबलपुर में हुआ। पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार तकनीक, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा, अनंत डिके क्षेत्र संयोजक क्रीड़ा भारती, प्रकाश विस्फुटे कोष प्रमुख महाकौशल क्रीड़ा भारती, विवेक रंजन शुक्ला संपर्क प्रमुख महानगर क्रीड़ा भारती, शिवांगी पंचौरी मातृशक्ति प्रमुख महाकौशल प्रांत, प्रीति त्रिपाठी दिव्यांग प्रमुख महाकौशल प्रांत, तियाशा जैनट वार्नर उपस्थित रहे। अतिथि आगमन पर जिला ताइक्वांडो यूनिनयन के महासचिव एडवोकेट जयराम चौधरी, मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षक राजकुमार यादव, प्रदेश सचिव शशांक सिंह ठाकुर तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मानवराज यादव द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि “ताइक्वांडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि



आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है। वर्तमान समय में प्रत्येक बालक एवं बालिका को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। खेल युवाओं को नशे एवं सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।” उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राजकुमार यादव ने कहा कि ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर एवं प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना है। उन्होंने बताया कि एक माह से

अधिक समय तक संचालित प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों एवं युवाओं ने ताइक्वांडो की बारीकियां सीखीं, जिसका उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रतियोगिता में देखने को मिला। प्रतियोगिता में जिले की विभिन्न अकादमियों से आए लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने अपने-अपने आयु एवं वजन वर्ग में शानदार मुकाबले प्रस्तुत किए। कई मुकाबले अंतिम क्षणों तक रोमांचक बने रहे, जिससे उपस्थित दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन तालियों की गड़गड़ाहट से किया। समापन समारोह में विभिन्न वर्गों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी

एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की विशेष सराहना भी की गई। प्रतियोगिता के सफल संचालन में राष्ट्रीय रेफरी मानवराज यादव, कामाक्षा पटेल एवं चारु कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन रेफरियों ने निष्पक्ष निर्णय एवं उत्कृष्ट तकनीकी संचालन के माध्यम से प्रतियोगिता को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके समर्पण, सेवाभाव एवं खेल के प्रति योगदान को सम्मानित करते हुए मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के संस्थापक राजकुमार यादव द्वारा उन्हें स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंत में एडवोकेट जयराम चौधरी ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जिले में ताइक्वांडो खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उत्साह, अनुशासन और खेल भावना से परिपूर्ण इस आयोजन ने जिले के खेल जगत में नई ऊर्जा का संचार किया तथा ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का यादगार एवं सफल समापन किया।

श्री राजेश पैगवार– एलआईसी कॉलोनी आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राजेश पैगवार (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुनील राजपूत– शीतलामाई वाई निवासी श्री सुनील राजपूत (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्रीमती शकुंतला मुदलियार– नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास निवासी श्री विजय मुदलियार की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला मुदलियार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती शांति बाई सोनी– ठक्कर ग्राम बाबा टोला निवासी श्री सत्य नारायण सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई सोनी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री सदीप मरवाह– नर्मदा रोड हांडा पेट्रोल पंप के पास निवासी श्री सदीप मरवाह (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री भूरा सेन– खटोक मोहल्ला बड़ी खरमाई निवासी श्री गोपाल

सेन के पुत्र श्री भूरा सेन (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री प्रमोद कुमार विश्वकर्मा– शर्मा काम्पलेक्स मानेगांव रांडी निवासी श्री प्रमोद कुमार विश्वकर्मा (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती विनीता राजक– ललित कॉलोनी नेहरू वार्ड निवासी श्री राधेश्याम राजक की धर्मपत्नी श्रीमती विनीता राजक (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्री प्रेमचंद्र गुप्ता– ग्राम मनियाखेड़ा पिपरिया बजरंग परिसर खजरी खिरिया बायपास के निकट निवासी श्री धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुरेश बेन– राधाकृष्णन वार्ड मरही माता मंदिर के पास निवासी श्री सुरेश बेन (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

विजी/शेक/उरावन, रमड़ी रम, पुष्पविधि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अपराध निबंध	चित्रित सड़क:-	100/- से.जी.	वैकल्पिक/सर्वोच्च:-	300/-
अपराध निबंध	चित्रित सड़क:-	100/- से.जी.	रंजीन	400/-
अपराध निबंध	चित्रित सड़क:-	100/- से.जी.	रंजीन	1100/-

सम्पर्क करें टैक्सापन विभाग:- 9303108294, 9407362160

भेड़ाघाट नगर परिषद सभा से प्रस्ताव पारित फिर भी नहीं हटाया गया शौचालय

खस्ता हाल हो चुके मूत्रालय को हटान कार्रवाई नहीं

भेड़ाघाट, जबलपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पंचवटी में खस्ता हाल हो चुका मूत्रालय को हटाने हेतु सभी पार्षदों द्वारा नगर परिषद की सदन की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था कि पंचवटी में मूत्रालय को अलग शीघ्र किया जायेगा लेकिन दो से तीन वर्ष हो गए हैं अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया नगर परिषद की बैठक में विकास कार्यों की बातें तो बहुत होती हैं और जब कार्य करने की बात आती है तो एक दूसरे पर टाल दिया जाता है पंचवटी में मूत्रालय की भी यही कहानी है बताया जाता है कि 3 साल के लगभग हो गए मूत्रालय को अलग करने का नगर परिषद की सभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था वार्ड नंबर 1 में बना मूत्रालय को हटाने अनिवारित बनाने की मंशा जाहिर की गई थी और अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा शीघ्र ही मूत्रालय को अलग करने की कार्यवाही आश्वासन दिया गया था जनप्रतिनिधियों ने बताया कि कई विकास के कार्यों को नगर परिषद भेड़ाघाट की सभा में प्रस्ताव पारित होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा। क्षेत्रीय जनों ने बताया कि वार्ड नंबर 1 में बना खस्ताहाल मूत्रालय को अलग करने हेतु जनप्रतिनिधियों द्वारा भी प्रयास किया गया भेड़ाघाट नगर परिषद के अधिकारियों द्वारा कोई



ठोस कार्यवाही नहीं करने से लोगों में असंतोष की भावना पनप रही है और प्रशासन से पंचवटी में बना मूत्रालय को अलग करने की मांग की गई है।

काव्य गोष्ठी में प्रस्तुत की गई भावमयी कविताएं

जबलपुर। “उजाले अपनी यादों के, हमारे साथ रहने दो न जाने किस घड़ी में, जिंदगी की शाम हो जाए।” डॉ. बशीर बद्र की इन पंक्तियों के साथ अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति एवं ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया संस्था के संयुक्त तत्वावधान में काव्य उत्सव का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. शिव शंकर अवस्थी (दिल्ली) से रहे। अध्यक्षता महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। साहित्यकार अमरेंद्र नारायण, डॉ. भावना शुक्ला (नोएडा), डॉ. मनोहरा गुप्ता, अध्यक्ष एवं सहसंयोजक डॉ. सलमा जमाल ने कहा कि व्यक्ति को ऐसे काम करना चाहिए, जिससे उसकी यादों का प्रकाश प्रेरणा देता रहे। प्रमुख वक्ता राजेश पाठक प्रवीण ने शायर बशीर बद्र की रचनाधर्मिता को समाज का दर्शन बताया। संतोष नेली ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन अशुतोष तिवारी एवं कविता राय एवं आभार यशोधर्धन पाठक ने किया। सरस्वती वंदना अर्चना गोस्वामी, अतिथि स्वागत तरुणा खरे एवं दीपक पंचौरी ने किया।



काव्य गोष्ठी में राजेंद्र मिश्रा, कविता नेमा, डॉ. उषा दुबे, डॉ. चंद्रभान उन्नाव, मनीषा गौतम, सुभाष शलभ, एड. प्रभा खरे , ज्योति प्यासी ने विविध भाव की रचनाएं पढ़ीं। डॉ. अशरफ अली महोबा ने ---

मोहल्ले में रंग-बिरंगे हों झंडे। रैली में निकले सिर्फ तिरंगे।। के माध्यम से प्रभावित किया। डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ. सुजाता दास, रेखा चौहान, डॉ. आशा श्रीवास्तव, डॉ. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, रश्मि पाण्डे शुभी, प्रीति नामदेव भूमिजा, कालिदास ताम्रकार, प्रभा विश्वकर्मा शौल, रमेश श्रीवास्तव चातक, मीना गुप्ता, डॉ. संघ्या जैन श्रुति, डॉ. रामबल्लभ गुप्ता इंदौरी आदि ने विविध रचनाएं प्रस्तुत कीं। डॉ. सलमा जमाल की रचना- अब न आएगा कभी रूठ के जाने वाला। मिन्नतें कर लें हज़ारों, नहीं आने वाला। अनेक वक्ताओं ने कहा कि सृजन ऐसा हो जो मन को आनन्द और समाज को प्रेरणा दे। आयोजन डॉ. बशीर बद्र को समर्पित किया गया। उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। सभी रचनाकारों को हिन्दी सेवा समिति एवं ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया की ओर से सम्मान पत्र देकर अलंकृत किया गया।

छावनी क्षेत्र में साप्ताहिक जन सुनवाई व्यवस्था लागू की जाए

जबलपुर।मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने छावनी परिषद प्रशासन से मांग की है कि छावनी क्षेत्र की जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक साप्ताह नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाए। इस जनसुनवाई में बिगेडियर साहब, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO), संबधित विभागीय अधिकारी एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहें, जिससे नागरिकों की समस्याओं का तत्काल संहान लेकर उनका निराकरण किया जा सके। संगठन का कहना है कि वर्तमान में छावनी क्षेत्र में निर्वाचित पार्षदों के चुनाव नहीं हो रहे हैं, जिसके कारण आम नागरिकों की समस्याओं को प्रभावी रूप से उठाने और उनके समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही और जनसंपर्क को मजबूत करने के लिए साप्ताहिक जनसुनवाई अत्यंत आवश्यक है। संगठन ने यह भी मांग की है कि छावनी के बिगेडियर भी प्रत्येक साप्ताह कुछ समय जनसुनवाई के लिए बिधारित करें, ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याएं सीधे उनके समक्ष रखी जा सकें और महत्वपूर्ण विषयों पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन का मानना है कि नियमित जनसुनवाई से जलापूर्ति, स्वच्छता, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, आवासीय क्षेत्रों की समस्याएं, कर संबंधी शिकायतें तथा अन्य जनहित के मुद्दों का समयबद्ध समाधान संभव होगा। इससे जनता और प्रशासन के बीच संवाद मजबूत होगा तथा छावनी क्षेत्र में पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन को बढ़ावा मिलेगा।

मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने की मांग

महंगाई व टैक्स के दौर में एफडी क्या सचमुच बढ़ा रही है बचत

तैयारी	
बिजनेस डेस्क	
खास बातें	
1	5 प्रतिशत महंगाई के बीच एफडी कैसे बन रहा है सीमित कमाई का साधन
2	विशेषज्ञों ने दी निवेश की रणनीति बदलने की सलाह
3	सुरक्षित निवेश तो है, लेकिन लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण के लिए अकेली एफडी काफी नहीं

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लंबे समय से सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का प्रतीक माना जाता रहा है। निश्चित ब्याज, पूंजी की सुरक्षा और आसान प्रक्रिया के कारण लाखों निवेशक अपनी बचत एफडी में लगाते हैं। लेकिन बदलते आर्थिक माहौल में केवल ब्याज दर को देखकर निवेश का आकलन करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी निवेश की वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वह महंगाई और करों का असर झेलने के बाद निवेशक की क्रय शक्ति को कितना बढ़ा पाता है। यदि एफडी पर मिलने वाला रिटर्न महंगाई दर के बराबर या उससे कम है, तो ख़ाते में रकम बढ़ने के बावजूद वास्तविक लाभ सीमित रह जाता है। खासकर उच्च आयकर स्लैब वाले निवेशकों के लिए टैक्स कटने के बाद एफडी का रिटर्न और कम हो जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या एफडी केवल धन सुरक्षित रखने का साधन है या फिर वास्तव में संपत्ति निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है।

ईपीएफ का छिपा फायदा 8.25% ब्याज, लेकिन असली रिटर्न 11.8%

विशेषज्ञों का मानना है कि ईपीएफ केवल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि रिटायरमेंट योजना की रीढ़ है। नियमित योगदान, चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ, कर छूट और सरकारी निगरानी इसे एक भरोसेमंद निवेश बनाती है। यदि कर्मचारी नौकरी के शुरुआती वर्षों से ही ईपीएफ को गंभीरता से लें और बीच में निकासी से बचें, तो रिटायरमेंट तक एक बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

तैयारी	
बिजनेस डेस्क	
लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से कटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे भरोसेमंद और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।	

अधिकंश निवेशक किसी भी योजना का मूल्यांकन केवल उस पर मिलने वाले ब्याज या रिटर्न के आधार पर करते हैं। लेकिन ईपीएफ के मामले में यह तरीका पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। इसकी वजह यह है कि ईपीएफ निवेश पर कर छूट का अतिरिक्त लाभ मिलता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी एक वर्ष में ईपीएफ में 1 लाख रुपये का योगदान करता है। यदि वह पुराने टैक्स रिजीम में है और 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब के अंतर्गत आता है, तो

नए टैक्स रिजीम में भी बना हुआ है आकर्षण कैसे बढ़ जाता है ईपीएफ का वास्तविक रिटर्न?

सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकंश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन ख़ाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योगदान आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्राधान्य मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकंश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन ख़ाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योगदान आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्राधान्य मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट आज भी पूंजी की सुरक्षा और स्थिर आय के लिए एक मजबूत विकल्प है, लेकिन केवल एफडी के भरोसे लंबी अवधि में बड़ी संपत्ति बनाना आसान नहीं है। महंगाई और टैक्स मिलकर इसके वास्तविक रिटर्न को काफी कम कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार एफडी के साथ अन्य निवेश विकल्पों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। आखिरकार निवेश की असली सफलता बैंक बैलेंस बढ़ने में नहीं, बल्कि समय के साथ आपकी क्रय शक्ति बढ़ने में छिपी होती है।



पूँजी सुरक्षा के लिए बेहतर, लेकिन वेलथ क्रिएशन के लिए जरूरी है विविध निवेश रणनीति

महंगाई क्यों कम कर देती है

- मान लीजिए किसी निवेशक को एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलता है और उसी अवधि में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहती है। ऐसे में निवेशक का वास्तविक लाभ केवल 1 प्रतिशत के आसपास रह जाता है।
- वित्तीय सलाहकार इसी कारण रियल रिटर्न पर जोर देते हैं। रियल रिटर्न का अर्थ है निवेश से मिलने वाला वास्तविक लाभ, जो महंगाई घटाने के बाद बचता है।
- रियल रिटर्न = निवेश पर रिटर्न – महंगाई दर
- यदि एफडी का ब्याज 4.9 प्रतिशत और महंगाई 5 प्रतिशत है, तो निवेशक की क्रय शक्ति बढ़ने के बजाय घट भी सकती है।

एसबीआई की एफडी दरें क्या बताती हैं?

- 5 प्रतिशत महंगाई को आधार मानें तो छह महीने तक की छोटी अवधि वाली कई एफडी योजनाएं महंगाई को मात देने में संघर्ष करती दिखाई देती हैं। इन पर मिलने वाला ब्याज 3.05 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत के बीच है।
- हालांकि 1 से 3 वर्ष की अवधि वाली एफडी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इस अवधि में एसबीआई करीब 6.25 से 6.4 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जिससे वास्तविक रिटर्न लगभग 1.25 से 1.4 प्रतिशत तक पहुंचता है। द्दिलचस्प बात यह है कि 5 से 10 वर्ष तक की लंबी अवधि की एफडी में भी महंगाई के बाद वास्तविक लाभ बहुत अधिक नहीं बढ़ता। यानी केवल लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से बड़ा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

सही होम लोन के चुनाव से मिलेगा बड़ा फायदा

मोरेटोरियम, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन व बैलून पेमेंट से अति. लाभ होम लोन का चयन करने से पहले विकल्पों को अच्छी तरह समझें

बिजनेस डेस्क
आज के समय में अपना घर खरीदना अधिकांश लोगों का सपना होता है, लेकिन लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण यह सपना पूरा करना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में होम लोन लाखों लोगों के लिए घर खरीदने का सबसे बड़ा सहारा बनता है। हालांकि होम लोन लेते समय अधिकांश लोग केवल ब्याज दर और ईएमआई पर ध्यान देते हैं, जबकि बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार कई तरह के लोन विकल्प भी उपलब्ध कराती हैं। इन विकल्पों में मोरेटोरियम लोन, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम और बैलून पेमेंट लोन प्रमुख हैं। प्रत्येक योजना की अपनी विशेषताएं, फायदे और कुछ सीमाएं हैं। इसलिए किसी भी होम लोन का चयन करने से पहले इन विकल्पों को अच्छी तरह समझना जरूरी है।
मोरेटोरियम लोन देता है राहत

मोरेटोरियम लोन उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जो कुछ समय के लिए आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हों या भविष्य में उनकी आय बढ़ने की संभावना हो। इस योजना में उधारकर्ता को एक निश्चित अवधि तक नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। हालांकि यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी लोन पर ब्याज लगातार जुड़ता रहता है। बाद में यह ब्याज मूल बकाया राशि में जोड़ दिया जाता है।

नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना
वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लोग निर्माणाधीन परियोजनाओं में घर खरीदते हैं। ऐसे खरीदारों के लिए नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम आकर्षक विकल्प हो सकती है। इस योजना में घर का कब्जा मिलने तक खरीदार को नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। कई मामलों में बिल्डर इस अवधि के दौरान ब्याज या ईएमआई का खर्च वहन करता है। इससे खरीदार पर तत्काल वित्तीय बोझ कम हो जाता है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जाती है जो वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं और साथ ही नया घर भी खरीद रहे हैं। इससे उन्हें एक साथ किराया और ईएमआई दोनों का बोझ नहीं उठाना पड़ता। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा की लागत अक्सर किसी न किसी रूप में प्रॉपर्टी की कीमत में शामिल हो सकती है।

इसलिए ग्राहकों को योजना के सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए।
बैलून पेमेंट लोन बेहतर
बैलून पेमेंट लोन पारंपरिक होम लोन से थोड़ा अलग होता है। इसमें शुरुआती वर्षों के दौरान ईएमआई अपेक्षाकृत कम रखी जाती है, जिससे मासिक भुगतान का दबाव कम रहता है। लेकिन लोन की अवधि के अंतिम चरण में उधारकर्ता को एक बड़ी राशि एकमुश्त चुकानी होती है। इसी बड़े अंतिम भुगतान को बैलून पेमेंट कहा जाता है। यह विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें भविष्य में आय में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद हो। उदाहरण के लिए किसी कर्मचारी को बड़े बोनस, ईएसओपी (ईएसओपी) से लाभ या वेतन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की संभावना हो। वहीं व्यवसायियों को भविष्य में किसी बड़े लाभ की उम्मीद हो सकती है। हालांकि यदि अनुमानित आय वृद्धि नहीं होती तो अंतिम भुगतान करना

चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए इस विकल्प को चुनते समय वित्तीय स्थिति का वास्तविक आकलन करना जरूरी है।
लोन लेते समय रखें ध्यान
होम लोन का कोई भी विशेष विकल्प चुनने से पहले केवल कम ईएमआई या शुरुआती राहत को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि लंबे समय में कुल भुगतान कितना होगा और अतिरिक्त सुविधाओं की वास्तविक लागत क्या है। ग्राहकों को लोन की कुल अवधि, कुल ब्याज भुगतान, संभावित जोखिम और अपनी भविष्य की आय की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। इसके अलावा सभी नियमों और शर्तों को विस्तार से पढ़ना भी जरूरी है।
जरूरत अनुसार चुनें सही विकल्प
हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई भी एक लोन योजना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। जहां मोरेटोरियम लोन अस्थायी राहत प्रदान करता है, वहीं नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना निर्माणाधीन मकान खरीदने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। दूसरी ओर बैलून पेमेंट लोन उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें भविष्य में अधिक आय की उम्मीद हो। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के साथ चुनाव होगा होम लोन न केवल घर खरीदने का सपना पूरा करता है, बल्कि लंबे समय तक वित्तीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

पति-पत्नी दोनों कमाते हैं तो सही बजट, नियमित संवाद जरूरी

डबल इनकम, डबल सुरक्षा : नौकरीपेशा दंपतियों के लिए कुछ जरूरी वित्तीय नियम

तैयारी बिजनेस डेस्क

आज के दौर में जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ जाते हैं। घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और सुरक्षित रिटायरमेंट जैसे बड़े लक्ष्य अपेक्षाकृत आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि दोहरी आय के साथ वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। कई बार खर्च, बचत और निवेश को लेकर स्पष्ट योजना न होने से मतभेद और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डबल इनकम वाले दंपतियों के लिए नियमित वित्तीय चर्चा, साझा बजट, व्यक्तिगत और संयुक्त खर्चों के बीच संतुलन, पर्याप्त बीमा और अनुशासित निवेश बेहद जरूरी हैं। यदि दोनों साथी मिलकर स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करें और उनके अनुसार योजना बनाएं, तो न केवल वर्तमान जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी की जा सकती हैं, बल्कि भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है। छोटी-छोटी वित्तीय आदतें लंबे समय में बड़ी सफलता की नींव बनती हैं।



पैसों को लेकर खुलकर करें बातचीत

अक्सर दंपति आय और खर्चों को लेकर नियमित चर्चा नहीं करते, जिससे कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर महीने एक तय समय पर बैठकर आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए। इससे वित्तीय फैसले पारदर्शी बनते हैं और आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

सही वित्तीय योजना से रख सकते हैं सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

मिलकर बनाएं संतुलित बजट

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

बचत और निवेश को बनाएं आदत

दोहरी आय का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलता है जब उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचत और निवेश में लगाया जाए। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह देते हैं। इसके बाद जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में निवेश किया जा सकता है।

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी और अनुशासित आदतों से हासिल होती है। नियमित संवाद, सही बजट, पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थित निवेश के जरिए डबल इनकम वाले दंपति अपने सपनों को तेजी से पूरा कर सकते हैं और भविष्य को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।



हर महिला को जरूर अपनानी चाहिए ये 5 वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स

बिजनेस डेस्क

आज की महिलाएं सिर्फ परिवार और करियर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रही, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बदलते दौर में वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति निर्माण महिलाओं की प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। हालांकि, कई महिलाएं अभी भी निवेश, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही वित्तीय योजना और अनुशासित निवेश के जरिए महिलाएं न केवल अपने वर्तमान को सुरक्षित बना सकती हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आर्थिक आधार भी तैयार कर सकती हैं। नियमित निवेश, आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और वित्तीय निर्णयों में सक्रिय भागीदारी जैसे कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसी पांच महत्वपूर्ण वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स, जिन्हें अपनाकर महिलाएं अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बना सकती हैं।

निवेश को करें ऑटोमेटिक

नियमित निवेश की आदत बनाने का सबसे आसान तरीका है निवेश को ऑटोमेट करना। इसके लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) या फिर आरडी में निवेश कर सकते हैं और हर महीने नियमित निवेश कर सकते हैं। ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा से करियर में बदलाव या आय में उतार-चढ़ाव के दौरान भी निवेश जारी रहता है। इससे समय के साथ कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है और बिना ज्यादा निगरानी के अच्छी संपत्ति बनाई जा सकती है।

रिटायरमेंट के लिए अलग फंड बनाएं

रिटायरमेंट प्लानिंग को टालना भविष्य में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में करियर की शुरुआत से ही आय का एक हिस्सा रिटायरमेंट फंड के लिए अलग रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी खर्च और अन्य दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए भी अलग निवेश योजना बनाना फायदेमंद रहता है। समय-समय पर इन निवेशों की समीक्षा करना भी जरूरी है।

अपने फैसले खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टेक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टेक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

मजबूत इमरजेंसी फंड तैयार करें

जीवन में कब कौन सी चुनौती सामने आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कोई अन्य अप्रत्याशित खर्च आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा कवरेज ही काम आता है।

कौमी एकता और सौहार्द्र के साथ पर्व मनाने का आह्वान

मुहर्रम की तैयारियों को लेकर मदन महल दरगाह शरीफ में बैठक संपन्न

जबलपुर। हजरत इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले मुहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर मदन महल दरगाह शरीफ में मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश की इजाजत से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की सरपरस्ती मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी ने की, जबकि सदरत सज्जादानशीन सूफी मुबारक अली कादरी ने और निजामत सज्जादानशीन खलीफा इनायत कादरी ने की। बैठक का आगाज सज्जादानशीन शराफत कादरी ने तिलावत-ए-कुरआन पाक से किया। इस अवसर पर जिला शांति समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी हाजी मकबूल अहमद रजवी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए दी गई ऐसी महान कुर्बानी है, जो आज भी पूरी दुनिया की अमन, ईसाफ और मानवता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि जबलपुर का मुहर्रम अपनी गंगा-जमुनी तहजीब और कौमी एकता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग मिल-जुलकर अकीदत के साथ इमाम हुसैन को याद करते हैं। बड़ी संख्या में हिंदू-मुस्लिम मुजावरों द्वारा सवारियां रखी जाना सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की अनूठी



मिसाल है। अतः यौमे आशूरा 10 मुहर्रम को रोजा-अफ्तार का एहतमाम करें और लंगर फेंक कर न दें जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। बैठक को खादिम-ए-आला सूफी चंगेज खान अशरफी, मौलाना चांद कादरी, अकबर खान सरवर, नियाज मंसूरी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने सभी ताजिया एवं सवारी कमेटियों से अपील की कि मुहर्रम के दौरान अनुशासन, अदब

और तहजीब का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का सीमित उपयोग करने तथा जुलूसों और बेड़ों के दौरान किसी भी प्रकार की बेअदबी से बचने की सलाह दी गई। बैठक में क्षेत्र के नौजवानों ने फैज अली के नेतृत्व में प्रशासन से बहोराबाग चौक पर लगाए गए डिवाइडर को मुहर्रम के दौरान अस्थायी रूप से हटाने की मांग की। उनका कहना था कि मुहर्रम के अवसर पर हजारों अकीदतमंद, सवारियां और ताजिए इसी मार्ग

से गुजरते हैं तथा बहोराबाग चौक जुलूस मार्ग का प्रमुख हिस्सा है। वर्तमान में लगा डिवाइडर जुलूसों की आवाजाही में बाधा बन सकता है और भीड़ के दबाव के कारण अव्यवस्था की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। उपस्थित लोगों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की।

बैठक में सवारी एवं ताजिया कमेटियों के पदाधिकारी, मुजावर और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें थाना प्रभारी गढ़ा प्रसन शर्मा, अजय अवस्थी, उमेश तिवारी, शरद ताम्रकार (पूर्व पाषंद), इनायत शाह, वरुण बाबा, विक्की बाबा, अन्ना बाबा, अनवर बाबा, सूफी निजाम बाबा, नसीर सुल्तानी, गुलाफ्राम बाबा, आनंद रजक, अमित बाबा, हुसैन भाई पेटी, बाबू सलाम बाबा, राजेंद्र कोरी, सलमान बाबा, बाबू बाबा और अज्जू बाबा सहित अनेक लोग शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सज्जादानशीन निजाम कादरी, वारिस कादरी, सैय्यद रोशन कादरी ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर मुहर्रम को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और परंपरागत तरीके से मनाने का संकल्प लिया।



उर्स मुबारक पर निकले जुलूस में दिखी कौमी एकता की मिसाल

जबलपुर। हजरत सैय्यद चाँद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स मुबारक के अवसर पर शनिवार को निकाला गया संदल व चादर जुलूस अकीदत और भाईचारे का प्रतीक बना। शाम 4 बजे मौलाना की गली स्थित खादिम-ए-दरगाह मरहूम वली मुहम्मद के निवास से शुरू हुए जुलूस में बड़ी संख्या में हिंदू एवं मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शामिल होकर कौमी एकता का संदेश दिया। बैड़-बाजों की मधुर नातिया धुनों और दरुद-सलाम की सदाओं के बीच निकले जुलूस में सैकड़ों जायरीन शरीक हुए। अकीदतमंद हाथों में चादर और गुलाब के फूल लिए दरगाह शरीफ की ओर बढ़ते रहे तथा रास्ते भर हजरत चाँद शाह वली की बारगाह में अपनी अकीदत का नजराना पेश करते रहे। जुलूस में पूर्व विधायक विनय सकसेना, खादिम ए आला चंगेज खान अशरफी, ताहिर खान, मोहम्मद रिजवान खान, आशीष उसरेटे, अनवर खान नूरी, नीलेश पंसारी, राजा तिवारी, निरु केंसरवानी, आसिफ अख्तर, तारीख खान, बिल्लू भाई, अजीज मामू सहित विभिन्न समाज और समुदायों के गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जुलूस में शामिल अकीदतमंदों द्वारा दरगाह शरीफ पहुंचने पर परंपरा के अनुसार चादरपोशी और गुलपोशी की रस्म अदा की गई। इसके बाद नजरो-नियाज पेश की गई तथा उपस्थित अकीदतमंदों के बीच तबरूक तकसीम किया गया। अंत में मुल्क में अमन, चैन, खुशहाली और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं की गईं।

पूजा कुमारी ने स्वर्ण और विनोद नायर ने जीता कांस्य पदक

किया संस्कारधानी का नाम रोशन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि अभी हाल ही में मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय इक्विपड क्लासिक पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन ग्वालियर में 30/5 से 31/5/2026 तक किया गया, जिसमें नगर की पूजा कुमारी ने जबलपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए 69 किलो ग्राम वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए मास्टर 1 में स्वर्ण पदक जीतते हुए बेस्ट लिफ्टर का खिताब भी अपने नाम किया, वहीं विनोद नायर ने 93 किलो ग्राम भार में कांस्य पदक जीत कर संस्कारधानी का नाम रोशन किया। ये दोनों खिलाड़ी कोच लॉरेंस



मार्टिन के मार्गदर्शन में मिशन हेल्थ क्लब में अभ्यासरत हैं, इनकी इस उपलब्धि पर आलोक मिश्रा, रॉबर्ट मार्टिन, लॉरेंस मार्टिन, दिनेश राव, दीनू स्वामी, अनूप शर्मा, खूबचंद

मलगानी, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, तेजभान सिंह, शशिरमन स्वामी, कुलदीप सिंह आदि ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



संगठन ने कर्मचारियों की समस्याओं से विधायक को कराया अवगत

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे से मुलाकात कर कर्मचारियों की ई-पटेंडेंस, टीईटी परीक्षा, ओल्ड पेंशन, उच्च पद प्रभार और केंद्र के समान मंहगाई भत्ता देने जैसी समस्याओं से अवगत कराया गया। विधायक द्वारा ये आश्वासन दिया गया कि राज्य कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण प्रदेश सरकार द्वारा अतिशीघ्र किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, दिनेश गोंड, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, गुडविन चार्ल्स, राजकुमार यादव, रिकू पीटर, शशिरमन स्वामी, फिलिप एंथोनी, राकेश गुप्ता, दीपेश जैन, गोपीशाह, मकसूद अहमद अंगारी, सुदिप चौधरी, श्रीकांत नायडू, संतोष चौरसिया, रिजवान मंसूरी आदि उपस्थित रहे।

पैर गंवा चुकी दो लाचार महिलाओं को न्याय दिलाने में अक्षम साबित हुए सीएमएचओ!

पीड़ितों को इलाज की फाइल दिलाने के बजाय थमा रहे 'सीएम हेल्पलाइन' का झुनझुना

निजी अस्पताल की मनमानी के आगे बेबस हुए जबलपुर सीएमएचओ

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले का स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ चुका है, जहाँ आम जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नवीन कोठारी की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले छह महीनों से दो पीड़ित महिलाएं, जिन्होंने एक निजी अस्पताल की घोर लापरवाही के कारण अपने पैर गंवा दिए, अपने ही इलाज की फाइल (मेडिकल रिकॉर्ड) पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग के मुखिया निजी अस्पतालों के आगे पूरी तरह नतमस्तक नजर आ रहे हैं।

लाचार सीएमएचओ, शर्मनाक ऑडियो

इस पूरे मामले में पीड़ितों की लड़ाई लड़ रहे

एडवोकेट दीपांशु साहू ने जब जबलपुर सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी को फोन लगाकर पीड़ितों को उनके इलाज की फाइल दिलाने की गुहार लगाई, तो सीएमएचओ की घोर लापरवाही और लाचारी खुलकर सामने आ गई। सीएमएचओ का एक ऑडियो भी सामने आया है, जिसमें वे पीड़ितों की मदद करने और दोषी अस्पताल पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय बेहद गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाते दिखे। ऑडियो में सीएमएचओ यह कहते सुने जा रहे हैं कि- “मैंने अस्पतालों को नोटिस दिया है, पर अस्पताल फाइल नहीं दे रहे हैं। आप सीएम हेल्पलाइन (CM Helpline) लगा दीजिए।”

एडवोकेट दीपांशु साहू ने सीएमएचओ को घेरा

एडवोकेट दीपांशु साहू ने सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी को सीधे तौर पर टारगेट करते हुए कहा कि- “एक जिले का मुख्य चिकित्सा अधिकारी इतना बेबस और लाचार कैसे हो सकता है कि एक निजी अस्पताल उसके नोटिस को कचरे के डिब्बे में डाल दे और वह

हाथ पर हाथ धरे बैठा रहे? अगर एक सीएमएचओ को भी अपनी कार्रवाई के लिए सीएम हेल्पलाइन का सहारा लेने की सलाह देनी पड़ रही है, तो उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। यह सीधे तौर पर जबलपुर की जनता के स्वास्थ्य और उनके अधिकारों के साथ खिलवाड़ है।”

छह महीने से न्याय की आस में मटक रही हैं महिलाएं

गौरतलब है कि बीते छह महीनों से ये दो पीड़ित महिलाएं अपने कटे हुए पैरों का दर्द झेलते हुए जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। कानूनन किसी भी मरीज या उसके परिजनों को इलाज के दस्तावेज तुरंत मिलने चाहिए, ताकि वे आगे का इलाज कर सकें या कानूनी कार्रवाई कर सकें, परंतु, सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी की कमजोर प्रशासनिक पकड़ और निजी अस्पतालों के प्रति 'नरम रुख' के कारण इन पीड़ितों को बंधक जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी के आईटी अधिकारियों को दिया जाएगा एआई/एमएल प्रशिक्षण

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा डिजिटल क्षमताओं के संवर्धन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीकों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारियों हेतु एआई/एमएल जागरूकता एवं क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 19 जून 2026 तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 से दोपहर 1 बजे तक सीटीआई में संपन्न होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईटी विंग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छह टोनों में विभाजित कर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के अंतर्गत ओपन वेब्यूआई, डॉकर, ओसीआर, रैग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, डक डॉबी, चैटबॉट विकास, डेटा लेक, ईटीएल, डेटा गवर्नेंस, जीआईएस लेयर, स्मार्ट मीटर डेटा इंटीग्रेशन, एमबीएम/एमएमआर तथा एआई आधारित उपभोक्ता एवं फोडर मैपिंग जैसे अत्याधुनिक विषय शामिल हैं।

ई-विवेचना ऐप को लेकर दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) सुन्दरसिंह कनेश के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रेल) भावना मरावी एवं पुलिस उप अधीक्षक अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन में सीसीटीएनएस केस अंतर्गत थाना/चौकी में पदस्थ विवेचकों को राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो द्वारा विवेचना हेतु प्रदाय टैबलेट में ई-विवेचना ऐप के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें e-Vivechana, e-Sakshya एवं e-Rakshak अंतर्गत उपलब्ध माइयूल्स केस डायरी, IIF-2 अपराध विवरण फॉर्म, धारा 35(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत नोटिस, IIF-3 गिरफ्तारी पत्रक, IIF-4 संपत्ति जप्ती पत्रक, मेडिको लीगल केस M.L.C.,



निवारक कार्रवाई/कलंदर प्रकरण, अज्ञात मृत शरीर/अप्राकृतिक मृत्यु का पंजीकरण, पंचनामा विवरण जोड़ना, पोस्टमार्टम निवेदन की तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर डाटा क्वालिटी को मद्देनजर रखते हुये प्रभारी सीसीटीएनएस स.उ.नि. गोपाल सिंह राजपूत की उपस्थिति में आर. राज कुमार अहिरवार (TOT) एवं सीसीटीएनएस टीम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें रेल पुलिस इकाई जबलपुर के समस्त थाना/चौकी से

कुल 20 विवेचकगण प्रशिक्षण में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान नवीन आपराधिक कानूनों के अंतर्गत डिजिटल विवेचना, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलन, अपराध स्थल की वीडियोग्राफी, साक्ष्यों के सुरक्षित संधारण तथा संबंधित पोर्टलों/एप्लिकेशनों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। e-Sakshya एवं डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे विषय वर्तमान पुलिस कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रशिक्षण में उपस्थित

समस्त अधिकारियों को पोर्टल के व्यावहारिक संचालन, केस डायरी संधारण, डिजिटल साक्ष्य अपलोडिंग एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का हैंड्स-ऑन अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विवेचना की गुणवत्ता में सुधार, साक्ष्य संकलन की पारदर्शिता बढ़ाना तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाना रहा। प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ एवं प्रतिभागियों द्वारा इसे अत्यंत उपयोगी बताया गया।

आर एंड आर एजुकेशनल एंड रिसर्च सोसाइटी ने आयोजित किया एंडो डायलॉग 2026

देशभर के विशेषज्ञों ने साझा किया चिकित्सा ज्ञान

जबलपुर। आर एंड आर एजुकेशनल एंड रिसर्च सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित एंडो डायलॉग 2026 के दूसरे दिन चिकित्सा विज्ञान के विविध आयामों पर केंद्रित अनेक वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन के मुख्य आयोजक डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव एवं डॉ. ऋतु श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों ने भाग लेकर नवीनतम शोध, उपचार पद्धतियों एवं चिकित्सा अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. परिलल स्वामी, डॉ. विशाल कस्तवार, डॉ. आशीष डेंगर, प्रो. डॉ. वी.के. भारद्वाज, डॉ. पुष्पराज पटेल, डॉ. दीपक बहरानी, डॉ. संदीप सिंह, डॉ. हेमंत तिलगम, डॉ. संजय जैन, डॉ. ब्रह्म प्रकाश, डॉ. अंशु भारती, डॉ. एम.एस. जोहरी, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ.



दिलीप राठौड़, डॉ. भावना धीरवानी, डॉ. दिलीप तिवारी, डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. शालिनी जगगी, डॉ. राजीव चावला, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. सोनल रिहारिया, डॉ. सोनल साहनी, डॉ. दीपशिखा साहू, डॉ. राकेश पटेल, डॉ. प्रॉमिस जैन, डॉ. अनूप जैन, प्रो. पी.एस.एन. मेनन, डॉ. ऋचा अरोरा तथा डॉ. हरि मंगतानी सहित अनेक विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए। हृदय रोग संगोष्ठी में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल ने पारिवारिक उच्च कोलेस्ट्रॉल रोग पर

विस्तृत जानकारी देते हुए समय पर पहचान और उपचार की आवश्यकता बताई, वहीं डॉ. दीपक बहरानी सहित अनेक वरिष्ठ विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। सम्मेलन में मधुमेह, मोटापा, गर्भावस्था में मधुमेह प्रबंधन, महिला स्वास्थ्य, थायरॉइड विकार, बाल एंडोक्राइनोलॉजी, मेटाबोलिक सिंड्रोम, हृदय रोग तथा जीवनशैली संबंधी बीमारियों पर गंभीर मंथन हुआ। विशेषज्ञों ने कहा कि बदलती

जीवनशैली के कारण बढ़ रही इन बीमारियों से निपटने के लिए जागरूकता, समय पर जांच और आधुनिक उपचार पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव एवं डॉ. ऋतु श्रीवास्तव ने कहा कि एंडो डायलॉग का उद्देश्य चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना तथा मरीजों तक नवीनतम और बेहतर उपचार पहुंचाना है। सम्मेलन में देशभर से आए चिकित्सकों की सहभागिता ने इसे एक सफल राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंच के रूप में स्थापित किया है। मां नर्मदा की पावन नगरी जबलपुर में आयोजित एंडो डायलॉग 2026 चिकित्सा ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार का एक भव्य महाकुंभ बनकर उभरा, जिसने देशभर के चिकित्सा विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर चिकित्सा जगत को नई दिशा देने का कार्य किया।



यात्री की खोई हुई संपत्ति सुरक्षित लौटाकर जीआरपी जबलपुर ने प्रस्तुत की कर्तव्यनिष्ठा

जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर इयूटीएरत जीआरपी स्टाफ को एक लावारिस लैपटॉप बेग प्राप्त हुआ। बेग की जांच करने पर उसमें एचपी कंपनी का लैपटॉप (कॉमर्सी लगभग 80,000), चार्जर, स्मार्ट वॉच, यूनिथल बैक का एटीएस कार्ड, इयरफोन एवं एक जोड़ी उपयोगी कपड़े मिले। इयूटीएरत स्टाफ द्वारा उक्त बेग को तत्काल सुरक्षित रूप से थाना जीआरपी पुलिस लाकर जमा किया गया तथा बेग के वास्तविक स्वामी की तलाश की गई। प्रयासों के उपरंत बेग के स्वामी आकाश यादव पिता भागवंद यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी शारदा नगर, रिहाई, बरेली, जबलपुर का पता लगाया गया एवं उन्हें थाने में उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया। थाना उपस्थित होने पर आवश्यक सत्यापन एवं विधिवत कार्यवाही उपरंत उक्त समस्त सामान सुरक्षित रूप से वापस देकर आकाश यादव को सुरक्षित सुपुर्द किया गया।

भोजशाला प्रकरण के याचिकाकर्ता डॉ. तिवारी सम्मानित

जबलपुर। मध्य प्रदेश के धार जिले के ऐतिहासिक भोजशाला बानाम कमाल मौला मस्जिद प्रकरण के याचिकाकर्ता के रूप में लंबी कानूनी लड़ाई लड़कर माननीय उच्च न्यायालय के माध्यम से भोजशाला में 721 सालों से जारी नमाज में रोक लगवाकर और सम्पूर्ण भोजशाला परिसर में हिंदुओं का आधिपत्य स्थापित करवाकर हिंदुत्व के संरक्षण संवर्धन में विशिष्ट योगदान देने वाले सनाननी योद्धा डॉ. एच.पी. तिवारी को विश्व संत्रांत समाज द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के संरक्षक डॉ. अनिल गौर की अध्यक्षता, कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. आनंद ज्योति पाठक, उपाध्यक्ष राम सुन्दर मिश्रा, राष्ट्रीय प्रचार सचिव एड. शिवम सिंह राजपूत और शिक्षा सलाहकार डॉ. श्रद्धा तिवारी की विशेष उपस्थिति में आयोजित सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में संस्था सदस्य और धर्मप्रेमी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. आनंद ज्योति पाठक और अन्य अतिथियों ने मां भगवती का विशेष चित्र अंकित अंग वस्त्र, शाल, श्रौफल और मां वाग्देवी का चित्र समर्पित कर डॉक्टर तिवारी को अभिनंदित किया। डॉ. अनिल गौर ने डॉ. एच.पी. तिवारी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी धर्मनिष्ठा की सराहना की। डॉ. आनंद ज्योति पाठक ने डॉक्टर तिवारी को सच्चा सनाननी योद्धा निरूपित करते हुए उनके हिन्दू धर्म स्थल मुक्ति अभियान में समस्त सनाननी बंधुओं से सहभागिता का आह्वान किया। डॉ. एच.पी. तिवारी ने भोजशाला विजय को सनानन धर्म, संस्कृति और परम्पराओं की जीत बताया।

जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता पर हुई महान चर्चा

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीडीएचएस) डिस्पेंसरी क्रमांक-1 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अजय चौहान की अध्यक्षता में नगर के विभिन्न सैनियर सिटीजन संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि अनिल शुक्ला, गुरुमुख दास, कृष्ण शंकर शर्मा, चणखाम सोनकर, विनोद बैन के साथ मासिक बैठक आयोजित की गई जिसमें लाभार्थियों से जुड़े विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई जिसमे जेनरिक दवाओं के प्रभावहीन होने के बारे में गंभीरता बरतने व दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की बात कही गई। विशेषज्ञ चिकित्सकी (स्पेशलिस्ट) द्वारा लिखी गई दवाएं ही उपलब्ध कराई जाए ताकि लाभार्थियों बीमारी से रहत मिल सके। वहीं लोकल पर्जेस की दवाइयां जो डॉक्टरों द्वारा लिखी जाती मेडिसन सप्लायर वही मेडिसन सप्लाई करे बैठक में मेडिसन सप्लायर आशीष ठाकुर की उपस्थिति रही। डॉ अजय चौहान ने नव नियुक्त डॉ शैलेन्द्र शरारफ से सभी का परिचय कराया व डिस्पेंसरी में डिस्प्ले बोर्ड के संचालन से पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को सुविधा के बारे में जानकारी दी। सकारात्मक विचार विमर्श करने पर डॉ अजय चौहान ने कहा कि सभी को सम्मान, सहयोग व बीमारी के लिए उचित परामर्श व दवाएं उपलब्ध कराना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15216155P RANK HAV NAME RAKESH KUMAR TIWARI S/O CHANDRA DEV TIWARI OF UNIT 1852 FD, REGT. AADHAR CARD NO. 3705 6375 6253 I, have changed name of my SON from SIDDHANT TIWARI (Name as per my Army Service Records) to SIDHANT TIWARI (Name as per my SON, AADHAR CARD NO. 9253 6388 8026 AND MY SON, EDUCATIONAL DOCUMENTS) vide affidavit dated 13/06/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME SIDDHANT TIWARI INCORRECT NAME SIDHANT TIWARI